Issue 112
Nov 2022

The Fourth State

Newsletter of the Institute For Plasma Research, Gandhinagar, Gujarat (India)

हिंदी व्याख्यान

हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान दिनांक 28 सितंबर 2022 को आईपीआर के सेमिनार हॉल में हिंदी में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसके लिए सुश्री वृंदा राठी, रचनात्मकता प्रशिक्षक एवं कथाकार को आमंत्रित किया गया। सुश्री वृंदा राठी ने ''कहानियों का करिश्मा'' विषय पर बहुत ही रोचक एवं प्रभावशाली अंदाज में अपना व्याख्यान देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने अभिनय शैली में कहानियों को सुनाने के साथ बुनाने की कला भी सीखाई। वर्तमान जीवन शैली की आपाधापी में हम कहानियों के करिश्मे से वंछित होते जा रहे हैं, जो हामरे जीवन को एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदन करती है। कहानियाँ पढ़ना एवं सुनना, बच्चों के साथ बड़ों के जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इस पर इन्होने विशेष रूप से बल दिया। इस व्याख्यान में सम्मिलित श्रोतागणों ने कहानियाँ सुनने के साथ-साथ कहानियों के रचने की प्रक्रिया को भी जाना। सुश्री वृंदा राठी ने व्याख्यान के पश्चात् श्रोतागणों से कहानियाँ सुनाने के महत्व पर चर्चा की और तकनीकी/वैज्ञानिक जैसे जटिल विषय को भी कहानियों के माध्यम से स्पष्ट रूप से सरलता से समझाया जा सकता है, इस पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में श्री नितिन बैरागी, वैज्ञानिक अधिकारी-ई ने इस रोचक व्याख्यान हेतु सुश्री वृंदा राठी को धन्यवाद दिया।

(L) सुश्री वृंदा राठी अपनी भाषण देती हुई | (R) आईपीआर के सदस्यों के साथ सुश्री वृंदा राठी (बीच में)

हिंदी व्याख्यान व्याख्यान के दौरान दर्शक